Hindi (G-1)

हिंदी साहित्य तथा प्रयोजनपरक हिंदी उपयोजन

[Ability Enhancement Course]

Semester: I	Credits: 3	Subject Code: C12007	Lectures: 48

उद्देश्य :-

- हिंदी कथा साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना ।
- महिला कहानीकार उषा प्रियंवदा के कथा साहित्य से परिचित कराना।
- मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी कवि तथा उनकी रचनाओं से परिचय।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के चयनित प्रमुख क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करना।

युनिट १ : गद्य विभाग –

पाठ्यपुस्तक - कहानी संग्रह – जिंदगी और गुलाब के फूल – उषा प्रियंवदा

(व्याख्यान १२)

- हिंदी कहानी विधा का स्वरुप एवं संक्षिप्त जानकारी
- हिंदी महिला कहानीकार उषा प्रियंवदा का संक्षिप्त परिचय
- कहानी संग्रह की चयनित कहानियों का अध्ययन –

१) पैराम्बुलेटर
२) मोहबंध
३) छुट्टी का दिन
४) जालें
५) कच्चे धागे

युनिट २ : पद्य विभाग –

पाठ्यपुस्तक – पद्य परिमल – सम्पादक डॉ. न. चि. जोगळेकर (व्याख्यान १२)

- हिंदी काव्यविधा का संक्षिप्त परिचय
- कबीर – दोहे (1 से 10)
- मीराबाई – पद
- रसखान – दोहे (1 से 5)
- महादेवी वर्मा – मिटने का अधिकार
- अज्ञेय – इतिहास की हवा

युनिट ३ : पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम (व्याख्यान १२)

- सामान्य अशुद्धियाँ – शुद्ध लेखन, वर्तनी परिचय
- बैंकिंग क्षेत्र एवं हिंदी
- ई–बैंकिंग

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	

- शब्द समूह के लिए एक शब्द
- पारिभाषिक शब्द – बैंक क्षेत्र से संबंधित पारिभाषिक शब्द

युनिट ४ : प्रयोजनपरक हिंदी उपयोजन **(व्याख्यान १२)**

- विज्ञापन : स्वरुप एवं सिद्धांत
- विज्ञापन के उद्देश्य एवं प्रकार
- विज्ञापन सृजन प्रक्रिया

अन्य गतिविधियाँ हेतु (व्याख्यान १२)

- अतिथि व्याख्यान
- समूह चर्चा
- ग्रंथालय गतिविधि
- परियोजना कार्य

पाठ्यपुस्तके :-

१. उषा प्रियंवदा, (१९७५), जिंदगी और गुलाब के फूल, चौथा संस्करण, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
२. डॉ. न.चि. जोगळेकर, (१९६७), पद्य परिमल, प्रकाशिका सौ. कमलादेवी केळकर, राष्ट्रभाषा मुद्रणालय, पुणे।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ. इन्द्रनाथ मदान (१९७८), हिंदी कहानी एक नई दृष्टी, प्रथम संस्करण, संभावना प्रकाशन दिल्ली।
२. डॉ. श्रीमती उमेश माथुर (१९६९), आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाएँ, प्रथम संस्करण, ऋषभचरण जैन एण्ड सन्स प्रकाशन, दिल्ली।
३. डॉ. सु. नागलक्ष्मी (), प्रयोजनमूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा (उ.प्र.) – १।
४. प्रो. माणक चन्द भगत (२०१३) हिंदी व्यावहारिक ज्ञान, अजय प्रकाशन, जयपुर – ३।
५. डॉ. सिद्राम कृष्णा खोत, (२०१५), जनसंपर्क एवं विज्ञापन, प्रथम संस्करण, सारंग प्रकाशन, वाराणसी।
६. संपा. डॉ. रघुनाथ देसाई, (२०१४), विज्ञापनों का मसौदा लेखन, प्रथम संस्करण, सारंग प्रकाशन, वाराणसी।

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	

Hindi (G-1)

हिंदी साहित्य तथा प्रयोजनपरक हिंदी उपयोजन

[Ability Enhancement Course]

Semester: II	Credits: 3	Subject Code: C22007	Lectures: 48

उद्देश्य :-

- हिंदी महिला कथा लेखन में चित्रित नारी अस्मिता एवं संघर्ष के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन।
- हिंदी कवि तथा उनके काव्य का रसास्वादन करते हुए आध्यात्मिक मूल्यों का विकास।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के चयनित प्रमुख क्षेत्रों के व्यावसायिक स्वरुप का अवलोकन करना।

युनिट १ : गद्य विभाग –
पाठ्यपुस्तक - कहानी संग्रह – जिंदगी और गुलाब के फूल – उषा प्रियंवदा
(व्याख्यान १२)

१) पूर्ति
२) कटीली छाँह
३) दो अंधेरे
४) दृष्टीदोष
५) चाँद चलता रहा
६) वापसी
७) जिंदगी और गुलाब के फूल

युनिट २ : पद्य विभाग –
पाठ्यपुस्तक – पद्य परिमल – सम्पादक डॉ. न. चि. जोगळेकर
(व्याख्यान १२)

- सूरदास – पद (1 से 7)
- बिहारीलाल – दोहे (1 से 15)
- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – भारत की विधवा
- सुमित्रानंदन पंत – दत झरो
- माखनलाल चतुर्वेदी – बलिदान

युनिट ३ : पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम -
(व्याख्यान १२)

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	

- बैंक संबंधी पत्र – व्यवहार (विविध आवेदन पत्र के प्रारूप)
- रेल संबंधी पारिभाषिक शब्द
- संबंधसूचक शब्द
- वाक्य शुद्धिकरण

युनिट ४ : प्रयोजनपरक हिंदी उपयोजन
(व्याख्यान १२)

- विज्ञापन एजेंसी : स्वरुप एवं सिद्धांत
- विज्ञापन एजेंसी के उद्देश्य एवं प्रकार
- विज्ञापन – प्रायोगिक

अन्य गतिविधियाँ हेतु (व्याख्यान १२)

- अतिथि व्याख्यान
- समूह चर्चा
- ग्रंथालय गतिविधि
- परियोजना कार्य

पाठ्यपुस्तके :-

१. उषा प्रियंवदा, (१९७५), जिंदगी और गुलाब के फूल, चौथा संस्करण, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
२. डॉ. न.चि. जोगळेकर, (१९६७), पद्य परिमल, प्रकाशिका सौ. कमलादेवी केळकर, राष्ट्रभाषा मुद्रणालय, पुणे।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ. रघुवीर सिन्हा, (१९७७), आधुनिक हिंदी कहानी – समाजशास्त्रीय दृष्टी, प्रथम संस्करण, अश्तर प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली।
२. ज्ञान अस्थाना (१९८१), हिंदी कथा साहित्य समकालीन संदर्भ, प्रथम संस्करण, जवाहर पुस्तकालय प्रकाशन, मथुरा।
३. आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र, (१९९६), बिहारी प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
४. डॉ. केशवदत्त रुवाली (१९९२), मानक हिंदी ज्ञान, प्रथम संस्करण, श्री अल्मोड़ा बुक डेपो प्रकाशन, अल्मोड़ा।
५. डॉ. आर. जयचन्द्रन (२०१२), परख और पहचान, प्रथम संस्करण, अभय प्रकाशन, कानपुर।
६. डॉ. सिद्राम कृष्णा खोत, (२०१५), जनसंपर्क एवं विज्ञापन, प्रथम संस्करण, सारंग प्रकाशन, वाराणसी।

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	15/6/2020
Subject Expert (Outside SPPU)	Dr. Chandrakant Misal	15/6/2020
Subject Expert (Outside SPPU)	Dr. Shivdatta Wavalkar	15/6/2020
VC Nominee	Dr. Shubhada Moghe	15/6/2020
Industry Expert	Dr. Rajendra Shrivastav	15/6/2020
Alumni	Ms. Poonam Kumari	15/6/2020

Board of Studies	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Mrs. Shital Jadhav	